



निर्णय नं. ४१२/१९७० ई.

श्री. रामायण " उत्तर प्रदेश " १९-१-१९७१ ई.

अपीलांत श्री. ललई

एप्लीकेशन नम्बर ४१२/१९७० ई. निर्णय हाईकोर्ट ऑफ जुडीके
इलाहाबाद दि. १९-१-१९७१ ई. के अनुसार अपीलांत श्री ललई
आदव क. अपीलांत को तीन सौ रुपये खर्च

सूचकी भाषा

२४

२४

२४

२४

२४

२४

२४

२४

पथम दि

२४

२४

२४

२४

२४

शुभमिका

कहति भी है।

साम्राज्य-राज में एकही शासन का कोई अन्त नहीं था।
आयी या

बगाड़ गया राज।
के इस कृत्य के कारण, क्या क्या जलाई जाय? लकी निवासा क्या मार
जाये? इस कथा का उद्देश्य केवल

नियंति नहीं है।

राम और साता में किसी प्रकार का कोई दवा तथा स्व

भोजन किया।

मैंने दो बार दोर मारे थे।

शैव्यण और वरेयम (महा

मध्यम
शैव्यण-नि पात्र के लिए

का कल्पित

शिखरान राम और कथा की सीता को जबरन

कहा कि

मौखिक

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

का कल्पित

प्रसंग

रामायण की घटनाएँ और कथा-क्रम बहुत काफ़ी ख़ुरबी हो गए हैं। वे मूलतः रामायण की समझ और अनुभवों को धारण कर रहे हैं। हाइने का कहनाय है कि रामायण की समझ और अनुभवों को धारण कर रहे हैं।

कथा श्रोत

रामायण की कथा न तो धर्म-संगत है

जिसके दण्ड और दुष्परिणामस्वरूप उसे उन देवियों, मुनियों द्वारा श्राप दिये गये- जिनके प्रति उसने अपराध किये, दिखाने के लिये? क्योंकि उस शिष्ण ने (विराट्) इन्द्र की स्त्री को मार डालने का घृणित पाँव किया था।

यह सब मैंने सन्तानों के सम्मुख दिये दृष्टादे के तालमेल में

छला तथा वे सब सँभूत हुए।

कदाचित् क्या यह सब लीला दिखाने के लिये? पुराणों में इस प्रकार के वृत्तों को हम देख सकते हैं। ये कदाचित्

छोड़ कर यह देखना चाहिये, कि देवता और अस्त्र



सच्ची रामायण

रामायण के बाल काण्ड नामक प्रथम अध्याय में बताया गया है, कि अयोध्या का राजा दशरथ पुत्र-प्राप्ति की इच्छा से ब्रह्मचर्य करने का विधान बनाने में सफल होकर उस यज्ञ में श्वेत, घोड़े, चिड़ियों व सर्प जैसे अण्डज व पिण्डज पशुओं के अतिथि करने के लिये संपन्न किया गया था। किंतु एक पिता बनने के केवल अपने स्वार्थ सिद्ध होने की आस से इन पशुओं का काट दिया गया।

साथ घिपटी हुई सम्पूर्ण रात पड़ी। यदि अयोध्या के ईश्वरीय धर्म के अनुसार यज्ञ के विचार की जाय तो तब ही समर्थ है। इतना ही नहीं -यदि कोई क्षीयशास्त्र आचार्य और अपने शिष्यों के अनुसार यह सोचे कि यज्ञ क्या है तो वह यज्ञ को ही समर्थ करेगा।

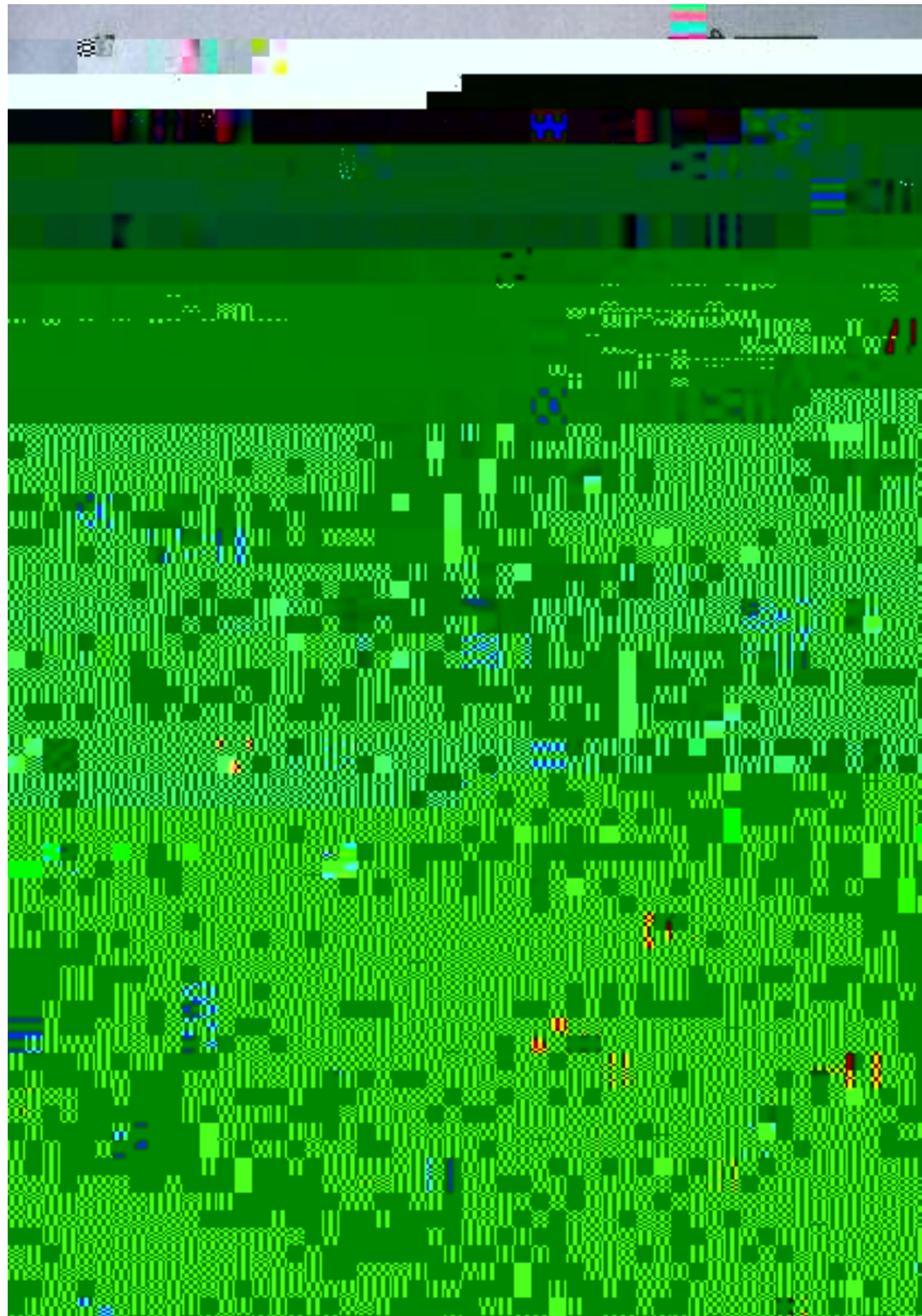
यदि हमें इस पुस्तक में प्रकाशित पुस्तक 'ग्वाना सुयान' में उस यज्ञ का घणित वर्णन किया है तो यज्ञ का सम्पादन करने

मारी, प्रजा

व प्रयाय राम के साथ बन

भित्तवले का प्रबन्ध करो।

अयोध्या का



(विश्वप्रदीप) शा. जस प्रकार जस सत ती आस्तित्व ला साप त भु ।

3 - भारत की अर्थव्यवस्था को अर्थव्यवस्था द्वारा रजिगद्दो मेलन के प्रयत्न से शीम स्वयं सन्तुष्ट था।

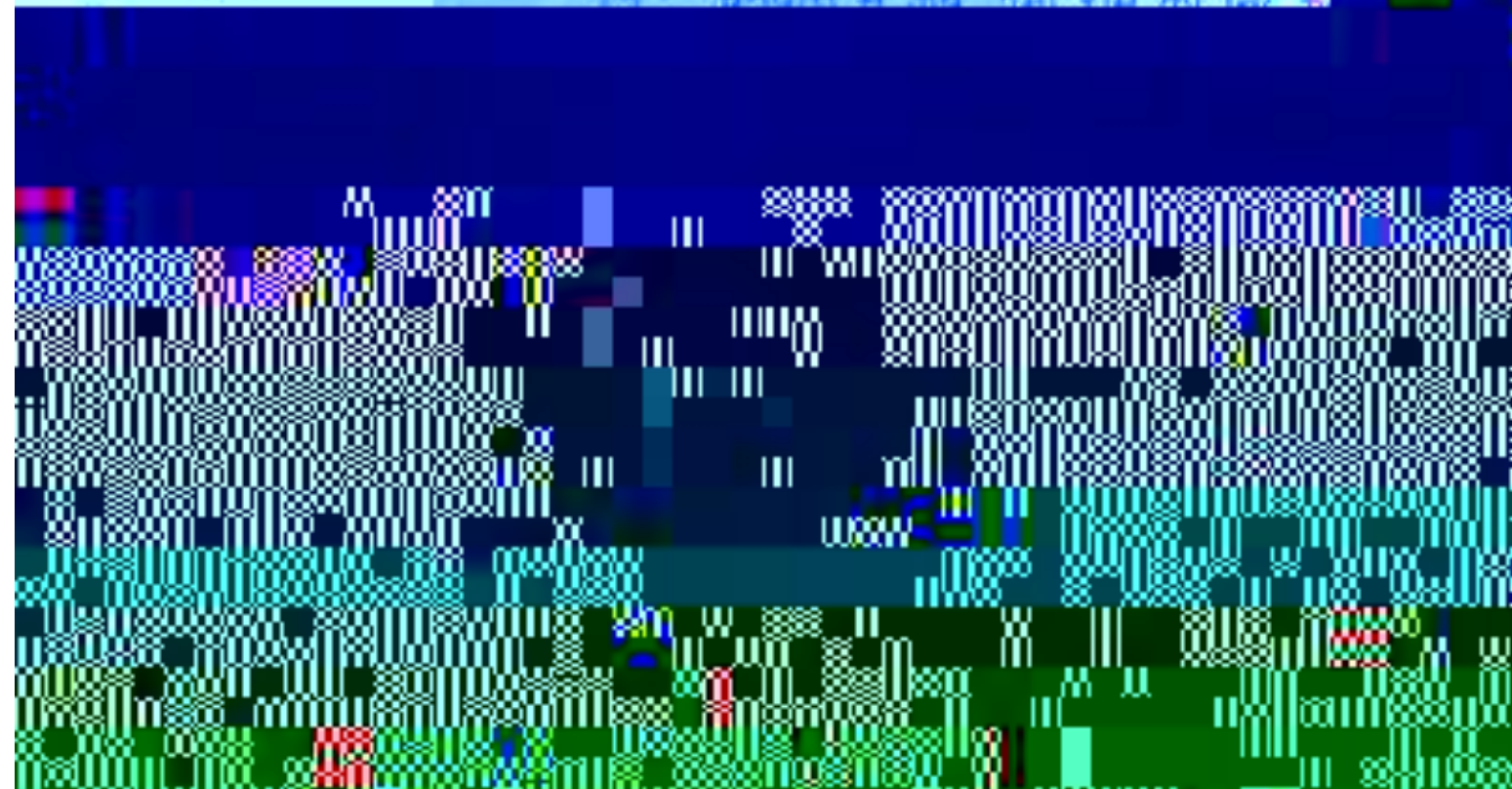
4. 6. 2

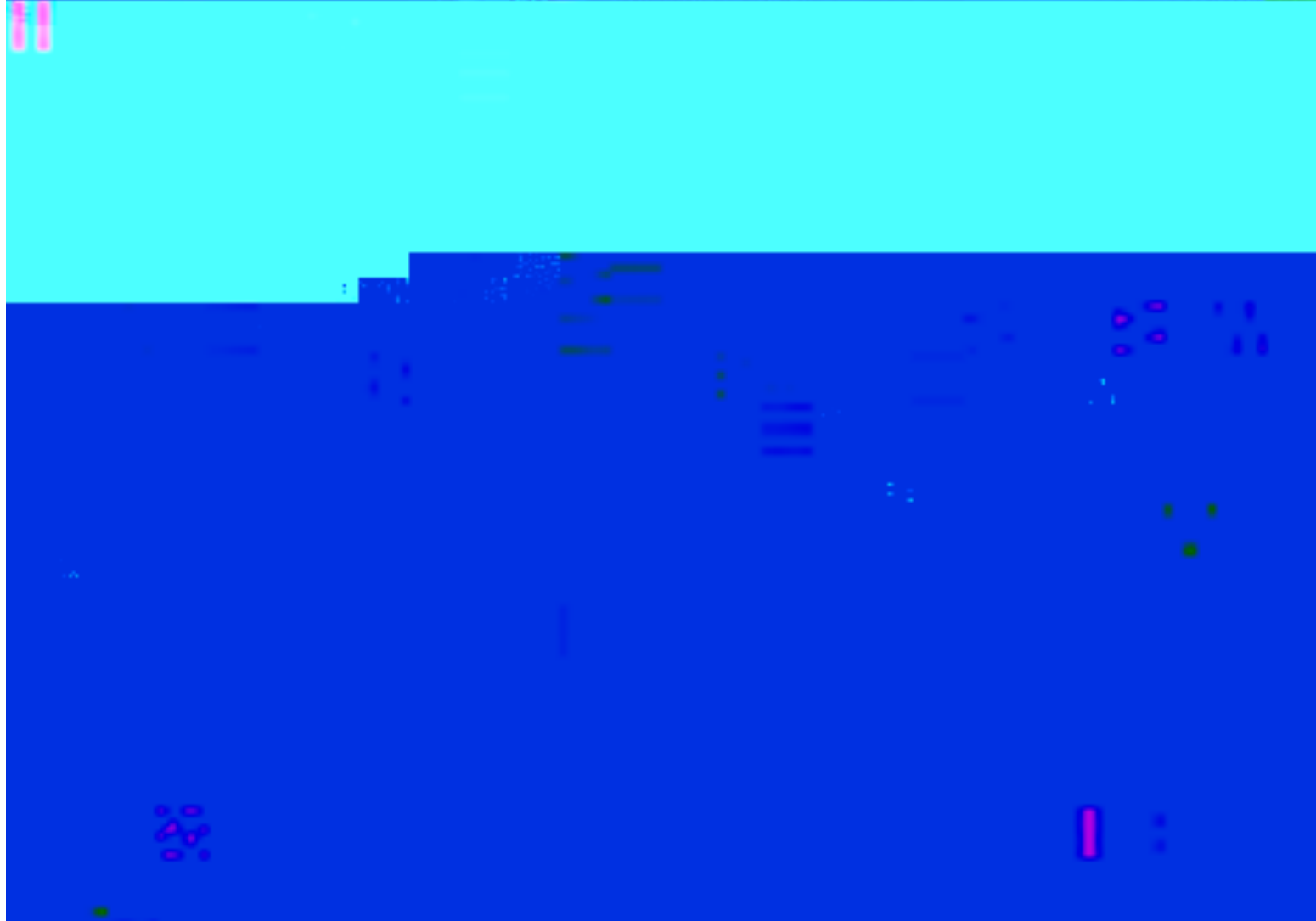
www.mhhe.com

— 889 —



१५ - बसन्ती बालाचरण





इस कारण मरि कि वे चतन जावन के समाने व्यवहार नहीं करुता
 बालिक के प्रति आगे के सोच के कजिसो उस फुटी ना केला जा
 अवसर नही दिया गया। रामन बालिक

36. - राधे हमेशा अनुचित विषयभोग में लगे रहती थी।

सच्ची र सत्यता

का बचप)

शा-बल्लिक नर अपने पिता के

४९ - राम ने जो धनुष तोड़ा था, वह शिव का था और वह पत्थर से ही
 बना हुआ था। (दशरथ - अयोध्या में विष्णुमणि, रामकु, प्रह्लाद के, पं. ९९७, ३३९, ५७९, ६६३, ८९४, ९९५९, ९९७३, ९९७५)

५० - विभिन्न रामायणों और परशुराम के द्वारा समर्थन किया
 राम ने धनुष तोड़ा था- उस समय राम की अवस्था माता कौशल्या के
 अनुसार पांच वर्ष, पिता दशरथ के अनुसार दस वर्ष की थी।

सीता

ओखें अब हम सीता के चरित्र का निरीक्षण करें। सम्पूर्ण रामायणमें व से एक शब्द सीता की प्रशंसा में लिखा गया है—

वह राम की अपेक्षा आयु में बड़ी है। उसका जन्म सन्देह जनक और

मुनि

१

आ

संस्कृत-संस्कृत-संस्कृत

संस्कृत-संस्कृत-संस्कृत

तुम मानवीय-गणों वह राम से कहती थी कि तुम आर्कषण

कराया हीच भोव सी रहती है तुम उसे खो

प्यारी से आती है। तुम उसी स्त्री को किराये

ठकर जिविका चलाना हो तुम मुझ से लो

सच्ची रीमा

राम रावण को मार कर लौ लौ ले आया।
तिलकोत्सव के पश्चात् अयोध्या पर राज्य करने लगा, तब सुभाव, विभिवर्ण
और अ

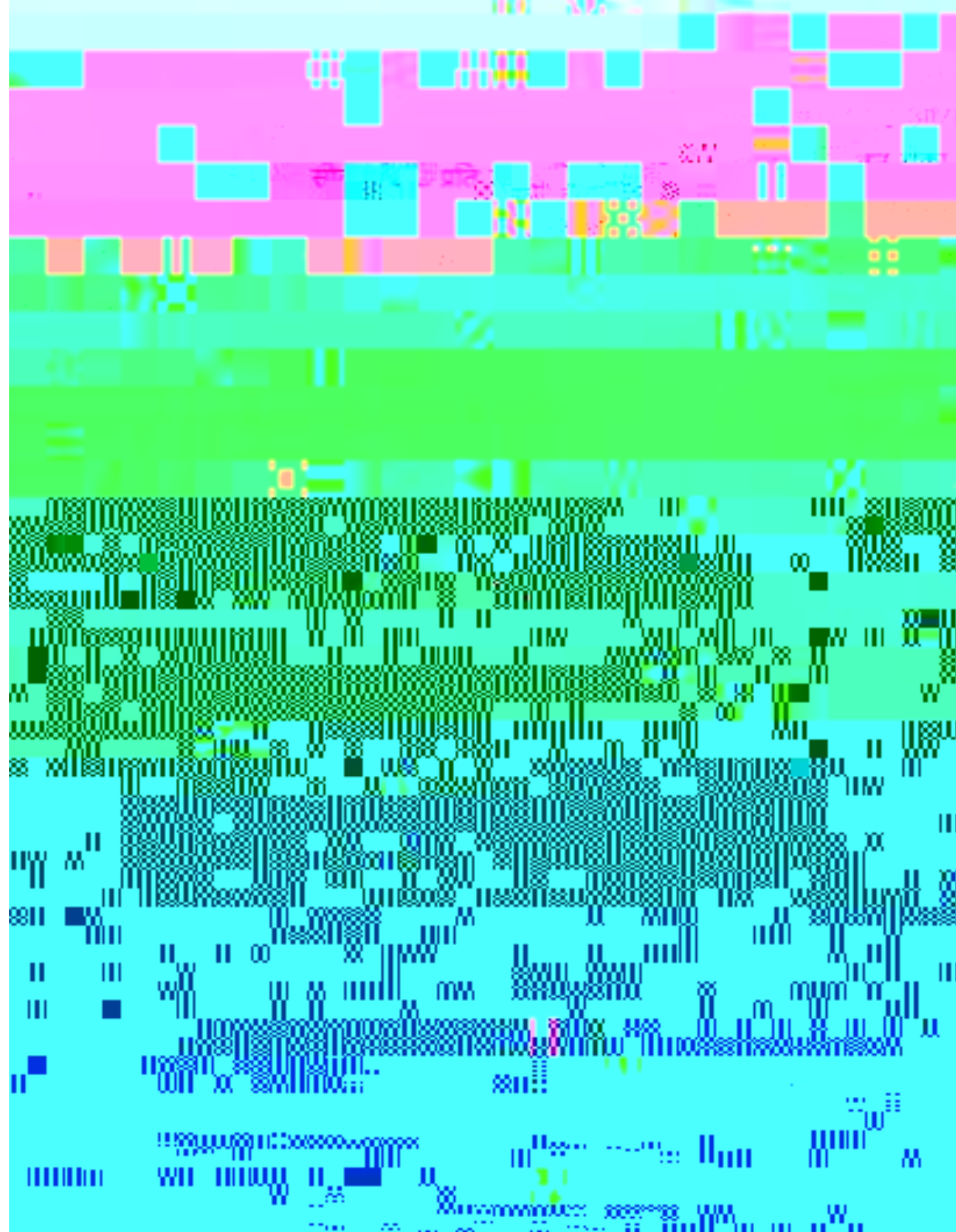
वास्तव में तुम्ही को

जुट गया। सुमित्रा के पुत्र लक्ष्मण और

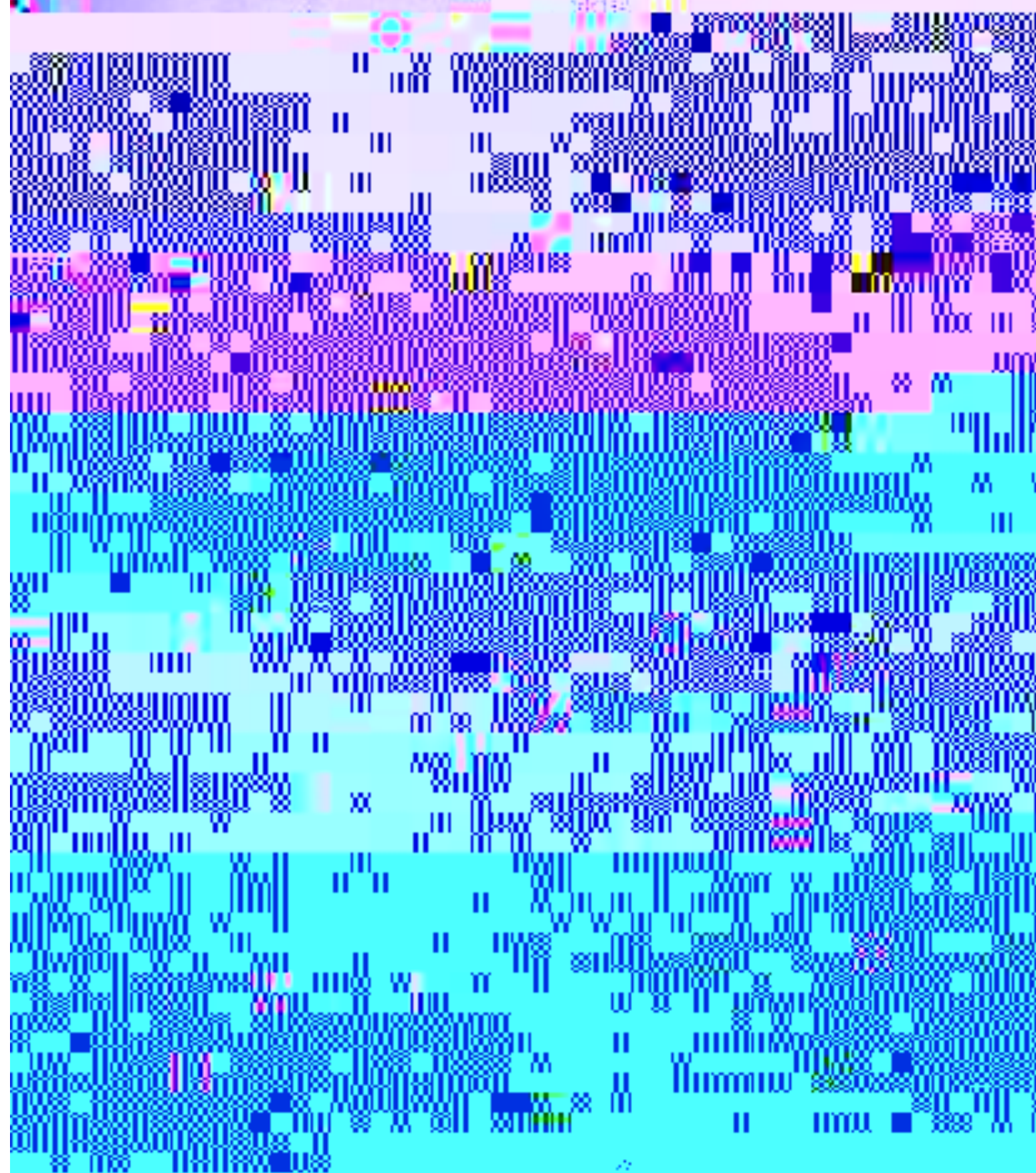
शत्रुघ्न ने क्रमशः राम और भरत का पक्ष लिया-

ना की राजगद्दी में

विद्यार्थी को यह पता चल कर उसने कहा,



होना चाहता है कि तुम्हारा ज्ञान परीक्षा में आये और तुम्हारे अन्तर में
 मोता व परिवार को छिड़ि फ

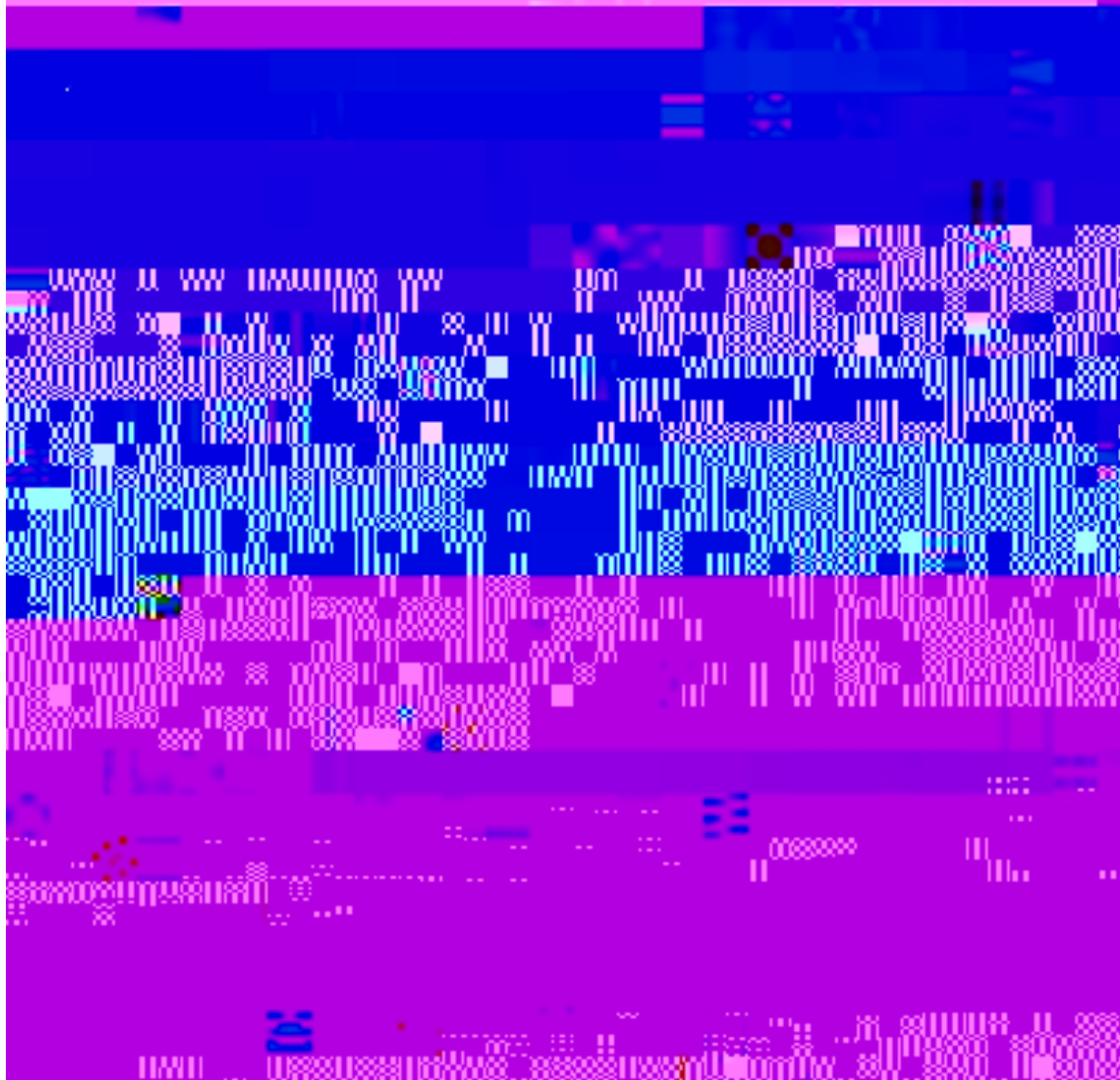


वह सच्चा, खर



198

198



- (४) अश्वमेध-यज्ञियों का बन्धन-ग्रहण। पालनकर्ता।
(५) वीर योद्धा।

किया

हैं तथा उसकी धा

का नाम विनिर्णय उ

का नाम विनिर्णय उ

हुनमान

हुनमान

हुनमान

हुनमान

हुनमान

हुनमान

हुनमान

हुनमान

हुनमान

हुनमान

हुनमान

हुनमान

हुनमान

हुनमान

...विरूप पदा हुय। अब हम र

...ज को विशेषताओं पर ध्यान दे। कई प्रकार की स्त्रियाँ

...इच्छाय ...का प्रबन्ध कर दिये ...केकय देश के

...राजा का कोई ...अभिव्रण नहीं दिख ...इस उत्सव की सूचन

...को भी नहीं दी गई ...

पुरोहितों को लिये लेना करता था।

जब राम बलवत्मान होने लगे थे, तब उराने गम्भीर दुःख की शक्ति
 और अपने आप के प्रति तब तक कि "जो सच्चा

किया, क्योंकि

को आकर राक्षसों को

पूर्वक व्यर्थ में लड़ाई नोल ली।

समीप

क लिये अपने आड में छिप

अवस्था छपीता थी।

अब मैं तबूके के पक्ष में सीता रावण से बातें किया करती थी।

पाठक तनिक इस दूर विचार करें। क्या एक सती दैवी शक्ति की कथा ऐसी ही है। त

अरु म हाथ से उसका गला पकड़ लिया

उठा लिया अरि अपना जा

उठाकर उस ले गया द

चलता ही इस

प्रकार कथा चलती है।

तुम्हारे कानों में
गाप दिये गये थे।

ब्राह्म के छयेगा। तो वह

मेरा भूतिक शरीर कहीं-किन्तु म

द्वितीय ध्यान में कहा यह है, कि रावण को दो

प्रथम यदि वह किसी रूप

भस्म हो जायेगा। तो वह

मन पर वह खड़ा था उस स्थानसाहत उस ले गया।

रूप द्वितीय में कहा गया है कि, रावण

नहीं ले गया था, अपितु वह उसकी मायावी प्रति

इन आपों के प्रमाण

वास्तव में सा ता

गति त

सच्ची रामायण

लंका में सीतार, हर विष्णु ने उससे कहा, सीते! लज्जा न करो।

तुम्हारा तथा तुम्हारा नानसार है। इसका

ले लो। मंदे अपने शरीर की चिन्ता

काम नहीं हुआ है। मेरे शरीर में
र रहेगा।"

सिवाद्य मेरा मूल तुम्हारे साथ था

1000

अथवा यदि वे अपने दम पर कोई काम नहीं कर सकते हैं

मनुष्य और सीता के विषय
बताया गया है।

छ: वर्ष की आयु में क्या है

द्वि वर्ष का अवस्था में 100 सा

स्थान पर उपकर ताईका वृत्त

राम डालने से बालक राम की तब तक प्रारम्भ

उपरोक्त चर्चा के बाद हमें यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत में लान्सेट

संख्या देने के लिए कोष्ठक शुद्धीकरण करने के प्रयास को रद्द करें।

मौलाना आबुल क़ादिर खान

३. जो किके को दिय गय पर ४. यधन के अनुसार किके

तथा पुत्र राजागद्वा का कांतम आधिकारिक।

विद्या भद्रा है। जब राधा को जाने के लिये भाग्यशाली कौशल्या से अल्ला

[illegible]

U11703

[illegible]

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

गुण्डा तबाला ०१ : लिये कैसे भोज सेक १-१५ इससे से

० समिप समि कपल पाप पप को था।

अनुसूचित जाति आरक्षण - विधायक

1000

1000

Figure 1. The effect of the number of trials on the number of correct responses. The number of correct responses was significantly higher than the number of incorrect responses in all cases. The number of correct responses was significantly higher than the number of incorrect responses in all cases.

[illegible]

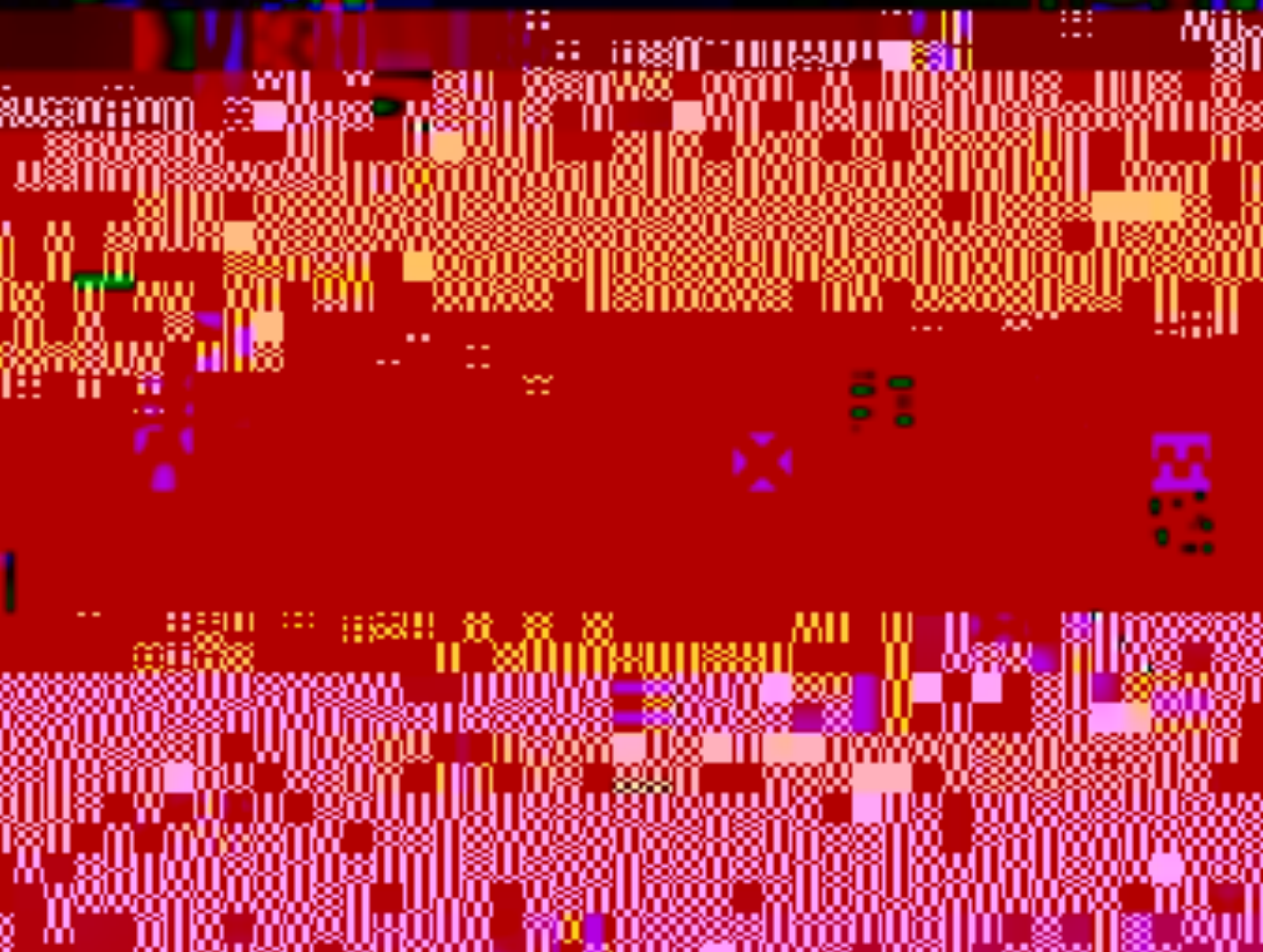
लक्ष्मण को सम्बोधित करते हुये कहा कि, "मुझे ऐसा लगता है कि राम के

कोई चर्चा नहीं। बस जाओ और देखो क्या बातें होकर रह गयीं।

[illegible][illegible]

अब हमें भारत से सम्बन्धित घरेलू का प्रश्न सामने है। यह प्रश्न कि भारतीय सीमा का अक्षरान्तर क्या है।

हमारे देश की सीमा



सर्व जगज्जिवात कुलले असे नमस्की मनोदया

500

व उसके उदास हान के कारण को पत-

मान लें कि

संस्कृत अपूर्ण भाषा

स कहा कि 'लाग' कहाँ रूँ

建 國 國

20

பொது

4/27/2017

1

ही मामले का निर्णय दिया जाये तो हमें निश्चय है कि

के पत्र में ही आया। यह निर्णय देगा कि रावण निर्यात करेगा या नहीं।

उस व शास्त्र के अनुसार विचारों को प्रस्तुत किया।

1000

© 2006 The Authors
Journal compilation © 2006 Blackwell Publishing Ltd

विभाग की मासिक कार्य रिपोर्ट

1000

[illegible][illegible]

1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

Figure 6

1000

1000

Abstract



हविदार कारों का

के अर्थों में

कि श्री

हिरटी एण्ड

